द्वितीय दीक्षान्त समारोह

सोमवार, 02 फरवरी, 2015

Second Convocation

Monday, 2nd February 2015

Welcome Address

By

Dr. Raja Babu Panwar
Vice-Chancellor
Rajasthan University of Health Sciences
Jaipur

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर

RAJASTHAN UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES, JAIPUR

कुलपति महोदय का प्रतिवेदन

माननीय श्री कल्याण सिंह जी, राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, **माननीय श्री राजेन्द्र राठौड़ साहब,** चिकित्सा मंत्री, राजस्थान सरकार, **डॉ. वी.एम. कटोच साहब,** सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल के सम्माननीय सदस्यगण, अकादमिक परिषद के सदस्यगण, विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, डॉक्टर ऑफ साइंस एवं पी.एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित होने वाले वरिष्ठ चिकित्सकगण, पदक प्राप्त करने वाले छात्र एवं चिकित्सकगण एवं मीडिया के सदस्य, विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, मेरे प्रिय छात्रों, देवियों एवं सज्जनों।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर मंच पर आसीन सम्माननीय अतिथियों एवं दीक्षान्त समारोह में उपस्थित आप सभी का मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ। आप सब महानुभावों का हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है। मैं विभिन्न विशिष्टताओं के उन समस्त छात्रों को बधाई देता हूँ, जिन्हें आज उपाधि एवं पदक प्रदान किये जायेंगे। मैं उन सभी ख्यातिनाम वरिष्ठ चिकित्सकों का इस अवसर पर अभिनंदन करता हूँ, जिन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस एवं पी. एच.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया जा रहा है।

ये मेरा सौभाग्य है कि माननीय श्री कल्याण सिंह जी, राज्यपाल, राजस्थान प्रदेश एवं कुलाधिपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में मुझे कार्य करने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ है। माननीय श्री कल्याण सिंह जी एक प्रखर लोकप्रिय राजनेता, उत्कृष्ट शासकीय दक्षता, प्रभावशाली प्रशासक, सादगीपूर्ण जीवन के व्यक्तित्व के लिये जाने जाते हैं। आप उत्तर प्रदेश राज्य में दो बार मुख्यमंत्री के पद पर एवं उत्तर प्रदेश राज्य के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। माननीय श्री कल्याण सिंह जी एक पितामह स्वरूप अभिभावक के रूप में राजस्थान प्रदेश को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से माननीय श्री राजेन्द्र राठौड साहब, चिकित्सा मंत्री, राजस्थान सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने अपना व्यस्त्तम समय हमारे लिए निकाला और दीक्षान्त समारोह में आज हमारे बीच उपस्थित हैं। मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ। आपके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति की और बढ रहा है एवं आपके आशीर्वाद से विश्वविद्यालय शीघ्र ही प्रगति की नवीन ऊँचाईयों को छू लेगा।

हम आज गर्व महसूस कर रहे हैं कि डॉ. वी.एम. कटोच साहब, आज दीक्षान्त समारोह में हमारे बीच उपस्थित है। मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। आपके नेतृत्व में आई.सी.एम.आर. प्रगति की ओर अग्रसर है। आपकी उपस्थिति से हमारे युवा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रोत्साहन मिलेगा एवं उनके हृदय में संबल देने वाली एक नई लहर का संचालन होगा।

मैंने इस विश्वविद्यालय में कुलपति पद का कार्यभार विकास के संकल्प के साथ संभाला था। विश्वविद्यालय के चहुँमुखी विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु महत्वपूर्ण क्रियाकलापों की प्राथमिकताएं सुनिश्चित की गई है। जिस पर विश्वविद्यालय पूर्ण समर्पित भाव से कार्यरत है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 2006 में 98 सम्बद्ध महाविद्यालयों, एक संकाय और 20310 वर्गमीटर भूमि से हुई।

विश्वविद्यालय में वर्तमान में कुल 6 संकायों में 218 सम्बद्ध एवं 2 संघटक महाविद्यालय हैं जिनमें यू.जी, पी.जी. डिप्लोमा, एवं सुपरस्पेशियलिटी पाठयक्रमों की 14439 सीटें है। विश्वविद्यालय के कुल 6 संकाय हैं जिनमें विभिन्न पाठ्यक्रमों में वर्ष 2006 से वर्तमान समय तक कुल 71156 छात्र–छात्राओं का नामांकन किया जा चुका है एवं वर्तमान में कुल 48202 छात्र–छात्राऐं अध्ययनरत है।

आज विश्वविद्यालय के पक्ष में 1,12,310 वर्ग मी. भूमि आवंटित है एवं इसके अतिरिक्त 84000 वर्ग मी. भूमि के आवंटन की प्रक्रिया प्रगति पर है। विश्वविद्यालय के संघटक आयुर्विज्ञान महाविद्यालय को सम्पूर्ण रूप से विकसित करने के लिये 406 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं तथा विश्वविद्यालय सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का एवं आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के भवन का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष पूर्ण हो जायेगा।

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय जयपुरिया अस्पताल, के अपग्रेडेशन हेतु राशि रू. 25.50 करोड के बजट का आवंटन भी राज्य सरकार से हो चुका है।

विश्वविद्यालय में दो संघटक संस्थानों दंत महाविद्यालय एवं आयुर्विज्ञान महाविद्यालय का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। इन संस्थानों को विश्वविद्यालय में वांछित संकायों की भर्ती कर विभिन्न विभागों को अपग्रेड किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा (Govt. R.D.B.P, Jaipuria Hospital) को MCI के मापदंडों के अनुरूप मेडिकल कॉलेज शिक्षण चिकित्सालय के रूप में विकसित किया गया है। जिसमें 100 रोगी शय्याओं को बढाकर 300 रोगी शय्याएं उपलब्ध करायी गई हैं। इसके अतिरिक्त ICU, CCU, NICU जैसी आपातकालीन सेवा सुविधाएं भी विकसित की गई हैं, ताकि एस.एम.एस. चिकित्सालय, जयपुर में बढते हुए रोगियों की संख्या का भार कम किया जा सके।

विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त शिक्षण संस्थानों में विभिन्न यू.जी. एवं पी.जी. सीटों में आवश्यकतानुसार वृद्धि की गयी है तथा विभिन्न संकायों में नये डिप्लोमा कोर्स, स्नातकों एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है।

राज्य की जनता की बेहतर स्वास्थ्य सेवा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में स्किल बेस्ड एजुकेशन एवं क्लिनिकल रिसर्च को बढावा देने हेतु राज्य सरकार के सेवारत चिकित्सकों की विभिन्न चिकित्सकीय क्षेत्रों में नये सर्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किये गये हैं ताकि दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

विश्वविद्यालय राज्य सरकार से समन्वय स्थापित कर राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में जिन विषयों मे Superspeciality पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है ऐसे विभागों को विकसित कर रहा है एवं उनमें Superspeciality पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जा रहे हैं।

राज्य में चिकित्सा के क्षेत्र में बेसिक एवं एडवांसड् रिसर्च को बढावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने सभी छः संकायों में पी.एच.डी. पाठयक्रम शुरू करने का निर्णय किया है। जिससे राज्य में चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर अनुसंधान का वातावरण तैयार हो सके तथा इसी क्रम में विश्वविद्यालय नॉन मेडिकल साइंटिस्ट को मेडिकल कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय में नियुक्त कर रहा है।

विश्वविद्यालय सत्र 2013 तक विश्वविद्यालय के चिकित्सा एवं फार्मेसी संकायों से 106 रिसर्च पेपर्स का विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नलस में प्रकाशन हो चुका है।

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराने, विश्वविद्यालय में नये फैलोशिप कार्यक्रमों का संचालन करने एवं शोध संस्थानों की फैलोशिप प्राप्त करने हेतु विश्व के जाने माने शिक्षकों को विजिटिंग फैकल्टी एवं Adjunct Professors के तौर पर नियुक्त किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय आपदा प्रबंधन संस्थान (Disaster Management Institution) की स्थापना Indian Oil Corporation के द्वारा 5 करोड रूपये के वित्तीय सहयोग से की जा रही है, एवं इसका एम.ओ.यू. 11 सितम्बर 2013 को हो चुका है।

विश्वविद्यालय के Faculty Development and Student Exchange Programmes के लिये अलबर्ट आइंसटीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन, यू.एस.ए. के साथ विश्वविद्यालय ने 20 नवम्बर 2012 को एम.ओ.यू. किया है।

विश्वविद्यालय, परिसर में, राज्य कैंसर संस्थान स्थापित करने हेतु कार्यरत है। यहं भारत सरकार एवं राज्य सरकार के वित्तीय सहयोग से निर्मित होगा जिसकी लागत 120 करोड रूपये है एवं इसके लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है एवं इसी क्रम में राज्य सरकार का शेम्पलीमॉड फाउंडेशन, पुर्तगाल के साथ एम.ओ.यू. 02 अक्टूबर 2014 को हो चुका है।

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को एक Comprehensive & Integrated & Medical Hub के रूप में विकसित किया जाना है जिसमें निम्न योजनाऐं प्रस्तावित है :–

- Centre of Biotechnology
- Solar Light System
- Development of ToT (Training of Teacher's) Centre
- Simulation Lab

- Development of Superspecialty Facilities which are not existing currently in the state like
  - Molecular Biology
  - Transplant Medicine
  - Robotic Surgery
  - Genetics Foetal Medicines
  - Onco Hematology
  - Neuro-Ophthalmology
  - Vitreo-retinal surgery
  - Biostatistics
  - Family Medicine
  - Electro Physiology
  - Liver & Biliary Sciences

विश्वविद्यालय द्वारा डिपार्टमेन्ट ऑफ सांइस एण्ड टेक्नोलॉजी एवं राजस्थान सरकार के सहयोग द्वारा नैनो टेक्नोलॉजी एवं नैनो मेडिसिन जैसे अत्याधुनिक केन्द्रों का विकास किया जायेगा।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समस्त परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का Online Transmission किया जा रहा है। इस पद्धति से पेपर भेजने की प्रक्रिया अपनाने वाली यह देश की प्रथम मेडिकल यूनिवर्सिटी है।

विश्वविद्यालय द्वारा एक ई–नोलेज सेंटर (E-Knowledge Center) की स्थापना करना तथा अपने शिक्षण कार्यों एव पुस्तकालयों का कम्प्यूटरीकरण (Digitalization) करना। जिससे छात्रों एंव शिक्षकों को विभिन्न ई–शोध पत्रिकायें, क्लिनीकल (Training Module) एवं ई–पुस्तकें उपलब्ध हो सकेंगी।

मान्यवर मैं आपका बहुमूल्य समय न लेते हुए विश्वास दिलाता हूँ कि आपके मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से प्रेरणा प्राप्त कर विश्वविद्यालय अपने अथक् प्रयासों से इन लक्ष्यों को निर्धारित अवधि में प्राप्त कर लेगा। मैं माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने अपनी व्यस्तताओं में से हमें अपना आशीर्वचन देने हेतु समय दिया।

मैं माननीय चिकित्सा मंत्री श्री राजेन्द्र राठौड़, डॉ. वी.एम. कटोच साहब एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। जिनकी उपस्थिति से इस दीक्षांत समारोह की शोभा बढी है एवं हमें प्रेरित किया है।

धन्यवाद

जय हिन्द।